UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NET BUREAU

Code No. : 83

Subject : PĀLI (LANGUAGE AND LITERATURE)

SYLLABUS AND SAMPLE QUESTIONS

Note :

There will be two question papers. Paper–II will cover 50 Multiple Choice Questions (Multiple choice, Matching type, True/False, Assertion-Reasoning type) carrying 100 marks and Paper–III will have two Parts—A and B. Part–A will have 10 short essay type questions (300 words) carrying 16 marks each. There will be one question from each unit with internal choice from the same unit. Total marks will be 160. Part–B will be compulsory and questions will be set from Unit-I to Unit-X. The candidate will attempt one question from Part-B (800 words) carrying 40 marks. Total marks of Paper–III will be 200.

PAPER–II and PAPER–III (Part A & B)

Unit—I

Mahāvagga : Bodhi-Kathā, Dhammacakkappavattana-Sutta, Yasa-pabbajjā, Sāriputta-Moggallāna-pabbajjā.

Unit—II

Dīgha-Nikāya : Brahmajāla-Sutta, Sāmaññaphala-Sutta.

Majjhima-Nikāya : Sabbāsava-Sutta.

Khuddaka-Nikāya : Dhammapada (Yamaka-Vagga, Appamāda-Vagga, Citta-Vagga).

Unit—III

Dhammasaṇgaṇi.

Rūpārūpa-Vibhāga.

Abhidhammattha-Saṅgaha (Expositions dealing with Citta, Cetasika, Rūpa and Nibbāna)

Unit—IV

Milinda-Pañha : Bāhira-Kathā, Lakkhaṇa-Pañha.

Unit—V

Contributions of Buddhadatta and Buddhaghosa.

Unit—VI

General introduction to the Dīpavaṁsa and Mahāvaṁsa.

Unit—VII

Origin and Homeland of Pāli. Place of Pāli in the Middle Indo-Aryan Family of Languages.

Pāli Grammar : Sandhi, Kāraka, Samāsa, Itthipaccaya.

Unit—VIII

History of Pāli Tipitaka and Atthakathā Literature.

Unit—IX

Life of Buddha from Pāli Sources : Ariyapariyesana-Sutta, Mahāparinibbāna-Sutta, Jātaka-Nidāna-Kathā.

First Buddhist Council, Second Buddhist Council, Third Buddhist Council and Contributions of Emperor Asoka to the spread of Buddhism.

Unit—X

Buddhist Philosophical Concepts : Bodhisatta, Pacceka-Buddha, Sammāsambuddha, Sīla, Samādhi, Paññā, Brahmavihāra, Cattāri Ariyasaccāni, Ariya-atthaṅgika-magga, Tilakkhaṇa, Paticcasamuppāda, Kammavāda, Citta-Bhūmi : Kāmāvacara-Citta, Rūpāvacara-Citta, Arūpāvacara-Citta, Lokuttara-Citta; Cetasika, Rūpa, Nibbāna.

SAMPLE QUESTIONS

PAPER–II

1. *Pamādo maccuno padaṁ* appears in the

(A) Yamaka-Vagga

(B) Appamāda-Vagga

(C) Citta-Vagga

(D) Sabbāsava-Sutta

2. Nāgasena was ordained by

(A) Rohaṇa

(B) Revata

(C) Buddhadatta

(D) Makkhaligosāla

3. The total number of *Kāmāvacara-Citta* is

(A) Eight

(B) Twelve

(C) Fifteen

(D) Fifty-four

PAPER–III (A)

1. Write an analytical note on the contents of the *Yamaka-Vagga.*

Or

Give an account of the Third Buddhist Council.

PAPER–III (B)

11. Write a critical essay on the *Dhammacakkappavattana-Sutta.*

Or

Give an account of the *Tilakkhaṇa* according to the Pāli Literature.

नोट :

इस विषय के अन्तर्गत दो प्रश्न-पत्र होंगे। प्रश्न-पत्र—II में कुल 50 विकल्पी प्रश्न (बहु-विकल्पी, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन-कारण टाइप) होंगे जिनके कुल अंक 100 होंगे और प्रश्न-पत्र—III के दो भाग—A और B होंगे। भाग–A में 10 संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न होंगे (300 शब्दों के) जिनमें प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा जिसमें हर प्रश्न के साथ तत्सम्बन्धी इकाई से एक आन्तरिक विकल्प प्रश्न होगा। कुल अंक 160 होंगे। भाग–B अनिवार्य होगा और जिसमें इकाई–I से इकाई–X में से प्रश्न पूछे जाएँगे। परिक्षार्थी को भाग–B से एक प्रश्न करने होंगे (800 शब्दों का) जिसका अंक 40 होगा। प्रश्न-पत्र—III के कुल अंक 200 होंगे।

प्रश्न-पत्र—II और प्रश्न-पत्र—III (भाग A और B)

इकाई—I

महावग्ग : बोधि-कथा, धम्मचक्कप्पवत्तन-सुत्त, यस-पब्बज्जा, सारिपुत्त-मोग्गल्लान-पब्बज्जा।

इकाई—II

दीघनिकाय : ब्रह्मजाल-सुत्त, सामञ्ञफल-सुत्त।

मज्झिमनिकाय : सब्बासव-सुत्त।

खुद्दकनिकाय : धम्मपद (यमक-वग्ग, अप्पमाद-वग्ग, चित्त-वग्ग)।

इकाई—III

धम्मसंगणि।

रूपारूप-विभाग।

अभिधम्मत्थ-संगह (चित्त, चेतसिक, रूप तथा निब्बान से सम्बन्धित भाग)

इकाई—IV

मिलिन्द-पञ्ह : बाहिर-कथा, लक्खण-पञ्ह।

इकाई—V

बुद्धदत्त एवं बुद्धघोस के योगदान।

इकाई—VI

दीपवंस तथा महावंस : सामान्य परिचय।

इकाई—VII

पालि : उत्पत्ति एवं उद्‌गम स्थान। मध्य भारतीय आर्य-भाषा-परिवार में पालि का स्थान।

पालि व्याकरण : सन्धि, कारक, समास, इत्थिपच्चय।

इकाई—VIII

पालि तिपिटक एवं अट्ठकथा साहित्य का इतिहास।

इकाई—IX

पालि स्रोतों पर आधारित बुद्ध-जीवन-चरित : अरियपरियेसन-सुत्त, महापरिनिब्बान-सुत्त, जातक-निदान कथा।

प्रथम बौद्ध संगीति, द्वितीय बौद्ध संगीति, तृतीय बौद्ध संगीति तथा बौद्धधर्म के प्रसार में सम्राट असोक का योगदान।

इकाई—X

बौद्ध दार्शनिक अवधारणाएँ : बोधिसत्त, पच्चेकबुद्ध, सम्मासम्बुद्ध, सील, समाधि, पञ्ञा, ब्रह्मविहार, चत्तारि अरियसच्चानि, अरिय-अट्ठंगिकमग्ग, तिलक्खण, पटिच्चसमुप्पाद, कम्मवाद, चित्त-भूमि : कामावचर-चित्त, रूपावचर-चित्त, अरूपावचर-चित्त, लोकुत्तर-चित्त; चेतसिक, रूप, निब्बान।

नमूने के प्रश्न

प्रश्न-पत्र—II

1. 'पमादो मच्चुनो पदं' उपलब्ध होता है

(A) यमक-वग्ग में

(B) अप्पमाद-वग्ग में

(C) चित्त-वग्ग में

(D) सब्बासव-सुत्त में

2. नागसेन को दीक्षा दी गई

(A) रोहण द्वारा

(B) रेवत द्वारा

(C) बुद्धदत्त द्वारा

(D) मक्खलिगोसाल द्वारा

3. 'कामावचर-चित्त' को कुल संख्या है

(A) आठ

(B) वारह

(C) पन्द्रह

(D) चौवन

प्रश्न-पत्र—III (A)

1. 'यमक-वग्ग' की विषय-वस्तु पर विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखिए।

अथवा

'तृतीय बौद्ध संगीति' का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

प्रश्न-पत्र—III (B)

11. 'धम्मचक्कप्पवत्तन-सुत्त' की विषय-वस्तु का आलोचनात्मक विवरण लिखिए।

अथवा

पालि साहित्य के अनुसार 'तिलक्खण' का विवरण दीजिए।

★ ★ ★